SURYA FOUNDATION

सूर्या फाउण्डेशन

संदेश

Run for Unity
राष्ट्रीय एकता दिवस
(31 अक्टूबर)

"हमारे देश भारत की पहचान अनेकता में एकता है।" यही कारण है कि पूरे विश्व में भारत ही एकमात्र ऐसा देश है जहाँ पर विभिन्न धर्म, संप्रदाय, जाति के लोग प्यार के साथ एक दूसरे का सम्मान करते हुए रहते हैं। सभी अपने धर्मों का पालन करते हुए देश की अखण्डता को बनाये हुए है। **'अनेकता में एकता'** ही भारत देश की सबसे बड़ी ताकत है।

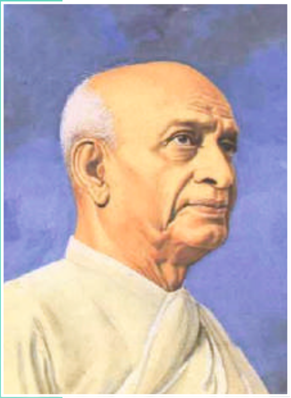

लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के जन्मदिवस को सर्वप्रथम 2014 में भारत सरकार द्वारा **"राष्ट्रीय एकता दिवस"** के रूप में मनाने का फैसला किया गया। इस दिन सभी लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के कार्यों को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

किसी भी देश की ताकत उस देश की एकता में निहित होती है। यदि देश बड़ा हो और उसमें विभिन्न धर्म, भाषा के लोग रहने वाले हो तो उन्हें एकता की डोर में बाँधकर रखना कठिन होता है। लेकिन हमारे देश भारत की सबसे बड़ी यही खूबसूरती है कि इतने धर्म, संप्रदाय, जाति के लोग आपस में मिल जुलकर रहते हैं और देश की एकता को बनाये हुए हैं।

हमारे देश भारत को आजादी मिलने के पश्चात हमारे देश की 565 रियासतें थी। इन सबको आपस में मिलाकर एक देश का गठन करना बहुत ही मुश्किल था। सभी रियासतें, अपनी सुविधानुसार अपना शासन चाहती थी लेकिन लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की सूझबूझ और इन रियासतों के प्रति अपनी स्पष्ट नीति से 562 रियासतों का भारत देश में एकीकरण किया है। इनमें से 3 देशी रियासतों जूनागढ़, कश्मीर और हैदराबाद ने पहले भारत में विलय करने से मना कर दिया। भारी विरोध के बाद जूनागढ़ का नवाब हिंदुस्तान छोड़कर भाग गया। जिसके पश्चात जूनागढ़ भारत में मिल गया। कश्मीर के राजा हरीसिंह ने अपने राज्य की सुरक्षा का आश्वासन लेकर कश्मीर को भी भारत में मिला दिया। हैदराबाद के निजाम ने जब भारत में मिलने से मना किया तो लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल ने तुरंत वहाँ सेना भेजकर निजाम को आत्मसमर्पण के लिए मजबूर कर दिया। जिसके पश्चात् हमारे भारत देश का नव-गठन हुआ, जिसे संघ राज्यों का देश भी कहा जाता है।

जयप्रकाश
चेयरमैन, सूर्या फाउण्डेशन

RUN FOR UNITY

सरदार बल्लभभाई पटेल (31 अक्टूबर 1875 – 15 दिसम्बर 1950) : भारत के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे। भारत की आजादी के बाद वे प्रथम गृहमंत्री और उप-प्रधानमंत्री बने। बारडोली सत्याग्रह का नेतृत्व कर रहे पटेल को सत्याग्रह की सफलता पर वहाँ की महिलाओं और किसानों ने सरदार की उपाधि प्रदान की। आजादी के बाद विभिन्न रियासतों में बिखरे भारत की एकता में मुख्य भूमिका निभाने के लिये पटेल को, **भारत का लौह पुरुष** भी कहा जाता है।

स्टैच्यू ऑफ यूनिटी

182 मीटर (597 फीट) ऊँचा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी गुजरात सरकार द्वारा प्रस्तावित भारत के प्रथम उपप्रधान मंत्री तथा प्रथम गृह मंत्री सरदार पटेल का स्मारक है। यह स्मारक दुनिया की सबसे ऊँचा स्मारक है। गुजरात के तात्कालिक मुख्यमंत्री श्री नरेन्द्रभाई मोदी ने 31 अक्टूबर 2013 को सरदार पटेल के जन्मदिवस के मौके पर देश की सबसे ऊँची मूर्ति के निर्माण का शिलान्यास किया। यह स्मारक सरदार सरोवर बांध से 3.2 किमी की दूरी पर साधू बेट नामक स्थान पर है जो कि नर्मदा नदी पर एक टापू है। यह स्थान भारतीय राज्य गुजरात के भरूच के निकट नर्मदा जिले में है। 31 अक्टूबर 2018 को इस स्मारक का भव्य उद्घाटन देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा किया गया।

'राष्ट्रीय एकता दिवस' कैसे मनाया जाता है?

यह दिवस हमारी राष्ट्रीय एकता के प्रतीक का त्योहार है। इस दिन सभी नागरिकों को राष्ट्रीय एकता का महत्व बतलाने के लिए विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। इस दिन सरदार वल्लभभाई पटेल के मूर्ति पर माल्यार्पण करके उनके जन्मदिवस को मनाया जाता है तथा सभी भारतीयों को यह शपथ भी दिलाई जाती है कि वे भारत की एकता को हमेशा बनाये रखें।

राष्ट्रीय एकता दिवस के दिन दिल्ली से लेकर देश के विभिन्न शहरों में मैराथन दौड़ – Run For Unity (एकता की दौड़) का आयोजन किया जाता है। विभिन्न धर्म, जाति, सम्प्रदाय के लोग भाग लेते हैं। जिसके माध्यम से देश के नागरिकों को एकता का संदेश देने का प्रयास किया जाता है। इसके अलावा नाटक, नुक्कड़ मंच आदि के द्वारा भी हमारी एकता की शक्ति का हमें अहसास कराया जाता है।

एकता-दौड़ की कुछ झलकियाँ

मध्य प्रदेश

बिहार

मूंडला (मध्य प्रदेश)

महाराष्ट्र

एकता-दौड़ की कुछ झलकियाँ

बहादुरगढ़, हरियाणा

काशीपुर, उत्तराखण्ड

काशीपुर, उत्तराखण्ड

एकता-दौड़ की कुछ झलकियाँ

भुज, गुजरात

हिन्दुपुर (आंध्र प्रदेश)

हिन्दुपुर (आंध्र प्रदेश)

मध्य प्रदेश

यह सच है कि पानी में तैरने वाले ही डूबते हैं, किनारे पर खड़े रहने वाले नहीं मगर ऐसे लोग कभी तैरना नहीं सीख पाते।

-सरदार वल्लभभाई पटेल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने सरदार वल्लभभाई पटेल के सम्मान में

बनी 182 मीटर ऊँची 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' देश को समर्पित की...

माननीय प्रधानमंत्री जी के उद्‌बोधन के कुछ अंश...

- **'सेवा परमो धर्म'** सिविल सेवा का मंत्र होना चाहिए– प्रधानमंत्री
- सरदार पटेल ने बारंबार यह दर्शाया कि किस प्रकार आम आदमी के जीवन में बदलाव लाया जा सकता है, इसके लिए कठोर इच्छाशक्ति और दृढ़ संकल्प की जरूरत है।
- प्रधानमंत्री ने कहा, 'इस दृष्टिकोण के साथ सरदार पटेल ने स्वतंत्र भारत में सिविल सेवाओं की रूपरेखा तैयार की।'
- नये भारत के विजन और सपनों को साकार करने के लिए हमारी नौकरशाही के पास 21वीं सदी की सोच और दृष्टिकोण होना चाहिए।

- आप सेवा परमो धर्म के मंत्र के साथ यहां सेवा के लिए आए हैं।
- आपका निर्णय राष्ट्र को किस तरह प्रभावित करेगा।

एकता-दौड़ की कुछ झलकियाँ

मणिपुर

असम

दार्जिलिंग

मणिपुर

एकता-दौड़ की कुछ झलकियाँ

झारखण्ड

हिन्दुपुर (आंध्र प्रदेश)

हरियाणा

आंध्र प्रदेश

फफूंदा (उ.प्र.)

एकता-दौड़ की कुछ झलकियाँ

छत्तीसगढ़

लखनऊ-उ.प्र.

ओडिशा

Report

Number of Participants in

RUN FOR UNITY

Organised by Surya Foundation held on 31 October 2019 in 19 States

Ser.	Sate / Area	Place	Count
1	Andhra Pradesh	6	2373
2	Assam	33	13065
3	Chandigarh	3	1203
4	Chhattisgarh	82	32748
5	Delhi	9	3650
6	Goa	3	1232
7	Gujarat	45	18120
8	Haryana	58	23309
9	Himachal Pradesh	11	4562
10	Jharkhand & Bihar	59	23429
11	Karnataka	4	1653
12	Kerala	1	320
13	Madhya Pradesh	146	58448
14	Maharashtra	48	19396
15	Manipur	2	633
16	Odisha	92	36926
17	Puducherry	3	1235
18	Punjab	22	8692
19	Rajasthan	158	63100
20	Sikkim	2	968
21	Tamil Nadu	11	4261
22	Telangana	4	1523
23	Tripura	35	13802
24	Uttar Pradesh	870	348033
25	Uttarakhand	149	59428
26	West Bengal	40	16152
	Total	**1896**	**758261**

‘एकता–दौड़’ अखबारों की सुर्खियों में

सूर्या फाउंडेशन ने रन फॉर यूनिटी का किया आयोजन

खोरीबारी. सरदार वल्लभ भाई पटेल की 144वीं जयंती के अवसर पर गुरुवार को सूर्या फाउंडेशन द्वारा पानीटंकी के कृष्ण मंदिर से ढाकुमोर तक रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया गया. जिसमें स्कूली बच्चों के साथ साथ सूर्या फाउंडेशन के सदस्यों ने भी दौड़ लगायी. इस मौके पर सूर्या फाउंडेशन के दार्जिलिंग जिला संयोजक प्रशांत चक्रवर्ती ने कहा कि रन फॉर यूनिटी का उद्देश्य सबो को आपस में मिलकर रहने का संदेश देना है.

समाचार सार

यूनिटी फॉर रन में दौड़े 25 हजार लोग

जागरण संवाददाता, सिलीगुड़ी : यूनिटी फॉर ऑल के तहत सूर्या फाउंडेशन के तहत चल रहे दार्जिलिंग जिला में 150 बाल संस्कार केंद्र में गुरूवार की सुबह 25 हजार से अधिक लोगों ने भाग लिया। इसमें 10 हजार से अधिक छात्र छात्राएं और 15 हजार ग्रामीण शामिल थे। लोगों को बताया गया कि क्यों आज देश के पहले गृहमंत्री सरदार पटेल की जयंती पर एकता के लिए दौड़ का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में गांव के लोगों ने कहा कि इसके पहले इस प्रकार काआयोजन नहीं होता था। इस कार्यक्रम के प्रभारी प्रशांत चक्रवर्ती ने कहा कि आने वाले दिनों में इसको और भी भव्य तरीके से मनाया जाएगा। नक्सलबाड़ी का पूरा क्षेत्र नक्सलबाद आंदोलन से ग्रस्त रहा है। उन्हें इसमें क्या मिला इस बात को भी लोगों को जानकारी हो गई है।

सूर्या फाउंडेशन द्वारा एकता दौड़ का आयोजन

निमेड़ा। राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर ÷सूर्या फाउंडेशन द्वारा ग्राम निमेडा में ÷एकता दौड़÷ का आयोजन किया गया जिसमें आसपास के गांवों के युवाओं ने भाग लिया।एकता दौड़ को समाजसेवी लालाराम प्रजापत ने हरी झंडी दिखाई। दौड़ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान दिनेश यादव. द्वितीय स्थान हर्ष जांगिड. ततीय

रन फॉर यूनिटी कल

जासं, सिलीगुड़ी : सूर्या फाउंडेशन द्वारा दार्जिलिंग जिले में 150 बाल संस्कार भारती के छात्र छात्राओं द्वारा सरदार पटेल की जन्म जयंती को एकता दिवस के रूप में मनाया जाएगा। इसके लिए सभी केंद्रों के बच्चों द्वारा रन फॉर यूनिटी में भाग लिया जाएगा। इसकी जानकारी सूर्या फाउंडेशन के दार्जिलिंग जिला में कामकाज देख रहे प्रशांत चक्रवर्ती ने दी। उन्होंने बताया कि दार्जिलिंग जिले में इसका व्यापक विस्तार हो रहा है। इसलिए यहां आकर कामकाज देख रहा हूं। उन्होंने कहा कि रन फॉर यूनिटी का अर्थ ही है एकता के लिए दौड़। बाल संस्कार शाला का लक्ष्य है कि समाज को एकता के सूत्र में बांधकर उन्हें राष्ट्र की मुख्यधारा से जोड़े।

रन फॉर यूनिटी में दौड़े बच्चे : **कुरारा।** शिवनी गांव स्थित हीरादेवी जूनियर हाईस्कूल के बच्चों व सूर्या फाउंडेशन द्वारा वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम का आयोजन किया गया।उत्तम सिंह, नरोत्तम सिंह ने अपने विचार रखे। कुरारा नगर पंचायत परिसर में चेयरमैन श्रीकांत गुप्ता ने सरदार पटेल के चित्र पर माल्यार्पण किया।

सूर्या रोशनी ने मनाई सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती

सूर्या कॉलोनी में आज सूर्या रोशनी द्वारा में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 143वीं जयंती के अवसर पर सैकड़ों की संख्या में लोगों ने रन फार यूनिटी कार्यक्रम में भाग लिया। सूर्या रोशनी के सीसीओ संजय कुमार ने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल एकता के प्रतीक है जिन्होंने हमारे देश के विभिन्न रियासतों को एकजुट कर अखंड भारत का निर्माण किया और हम सबको एकता के सूत्र में बांधा ऐसे महापुरुष को आज पूरा देश नमन कर रहे हैं और सभी मिलकर एक भारत श्रेष्ठ भारत का संदेश जन जन में फैला रहे हैं। इस दिन को को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर सूर्या रोशनी के विभिन्न अधिकारी एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।

सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर सैकड़ों की संख्या में रन फार यूनिटी कार्यक्रम में लोगों ने भाग लिया

सिद्धार्थ राव ,बहादुरगढ़। सूर्या रोशनी लिमिटेड सूर्या कॉलोनी साखोल बहादुरगढ़ में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 143 वीं जयंती के अवसर पर सैकड़ों की संख्या में रन फार यूनिटी कार्यक्रम में लोगों ने भाग लिया। यह कार्यक्रम आज पूरे देश में मनाया जा रहा है इसी के तहत सूर्या रोशनी द्वारा ही कार्यक्रम रखा गया सूर्या रोशनी के सीसीओ श्री संजय कुमार ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल एकता के प्रतीक है जिन्होंने हमारे देश के विभिन्न रियासतों को